J-441

पण्डित सुन्दरलाल शर्मा (मुक्त) विश्वविद्यालय छत्तीसगढ़, बिलासपुर

सत्रीय कार्य (Assignment Work) सत्र – जनवरी–दिसंबर 2024

P. G. Diploma in Chhattisgarhi Language and Literature

विषय – छत्तीसगढ़ी भाषा एवं व्याकरण **प्रश्न–पत्रः प्रथम**

पूर्णांक : 30 **न्यूनतम उत्तीर्णांकः 12**

नोटः– परीक्षार्थी प्रत्येक खण्ड के निर्देशों को ध्यान से पढ़कर प्रश्नों को हल करें।

परीक्षार्थी हेतु निर्देश :

सत्रीय कार्य–1

खण्ड अ – अति लघुउत्तरीय प्रश्न (1 से 8) कुल 08 प्रश्न है, सभी प्रश्न अनिवार्य। प्रति प्रश्न 0.5 अंक उत्तर शब्द सीमा 1–2 शब्द या एक वाक्य।

खण्ड ब – अति लघुउत्तरीय प्रश्न (9 से 14) कुल 06 प्रश्न है जिसमें से कोई 04 प्रश्न हल करें। प्रति प्रश्न 01 अंक का होगा। उत्तर शब्द सीमा 75 या आधा पेज।

सत्रीय कार्य–2

खण्ड स – लघुउत्तरीय प्रश्न (15 से 18) कुल 04 प्रश्न है जिसमें से कोई 03 प्रश्न हल करें। प्रति प्रश्न 02 अंक का होगा। उत्तर शब्द सीमा 150 या एक पेज।

सत्रीय कार्य–3

खण्ड द – अर्द्ध दीर्घ उत्तरीय प्रश्न (19 से 22) कुल 04 प्रश्न है जिसमें से कोई 02 प्रश्न हल करें। प्रति प्रश्न 04 अंक का होगा। शब्द सीमा 300 या दो पेज।

सत्रीय कार्य–4

खण्ड ई – दीर्घ उत्तरीय प्रश्न (23 से 24) कुल 02 प्रश्न है जिसमें से कोई 01 प्रश्न हल करें। प्रति प्रश्न 08 अंक का होगा। उत्तर की शब्द सीमा 600–750 या 4–5 पेज।

सत्रीय कार्य– 1

(Assignment—1)

खण्ड—अ

1. छत्तीसगढ़ की सबसे बड़ी नदी कौन&सी है ?
2. साहित्य में छत्तीसगढ़ शब्द का प्रयोग प्रथम बार किसने किया ?
3. छत्तीसगढ़ी में पहला शब्दकोश कब प्रकाशित किया गया ?
4. छत्तीसगढ़ी राजभाषा के वर्तमान अध्यक्ष कौन हैं ?
5. धमनीहाट कविता के रचनाकार का नाम क्या है ?
6. खूबचन्द बघेल का जन्मस्थान लिखिए।
7. कपिलनाथ कश्यप का जन्म कब हुआ ?
8. पं. सुन्दरलाल शर्मा का जन्मस्थान लिखिए।

खण्ड—ब

9. छत्तीसगढ़ी प्रत्यय के दो उदाहरण लिखिए।

10. मुहावरे और कहावत के मूल अन्तर को लिखिए।
11. पूर्वी हिन्दी में छत्तीसगढ़ी के साथ कौन&सी दो बोलियाँ शामिल हैं ?
12. दक्षिण भारत के लोग प्रमुखतः किस मत के उपासक होते हैं ?
13. कर्तृवाच्य एवं कर्मवाच्य का एक&एक उदाहरण लिखिए।
14. निम्नलिखित में से किन्हीं पाँच छत्तीसगढ़ी शब्दों का हिन्दी रूप लिखिए :
    (क) गोड़
    (ख) पंड़िया
    (ग) बइला
    (घ) टूरा
    (ङ) बेंगचा
    (च) नरी

सत्रीय कार्य– 2

(Assignment—2)

खण्ड—स

15. निम्नांकित में से किन्हीं पाँच छत्तीसगढ़ी मुहावरों का हिन्दी अर्थ लिखिए :
    (क) अंगठा देखाना
    (ख) आँसू पोंछना
    (ग) झोली भरना
    (घ) घर भरना
    (ङ) गोहार पाटना
    (च) छेरिया होना
16. भाषा के मानक रूप को स्पष्ट करते हुए छत्तीसगढ़ी मानक भाषा को स्पष्ट कीजिए।
17. पाठ्य&पुस्तक में निर्धारित 'हिन्दी अनुवाद' के सम्बन्ध में प्रकाश डालिए।
18. छत्तीसगढ़ी शब्दों का भाषाशास्त्रीय अध्ययन कीजिए।

सत्रीय कार्य– 3

(Assignment—3)

खण्ड—द

19. 'साहित्य में छत्तीसगढ़ी शब्द के प्रयोग' विषय पर प्रकाश डालिए।
20. खमरछट उपवास के सम्बन्ध में छत्तीसगढ़ी मान्यताओं के सम्बन्ध में विचार प्रस्तुत कीजिए।
21. छत्तीसगढ़ में खनिज संपदा के सम्बन्ध में एक निबन्ध लिखिए।
22. 'आंगू पाछू ल थहि के चल' का सारांश अपने शब्दों में लिखिए।

सत्रीय कार्य– 4

(Assignment—4)

खण्ड—इ

23. छत्तीसगढ़ की भौगोलिक स्थिति के साथ ही साथ छत्तीसगढ़ का संक्षिप्त इतिहास के सम्बन्ध में प्रकाश डालिए।
24. छत्तीसगढ़ी भाषा की उत्पत्ति अवधारणा एवं व्याकरण के सम्बन्ध में प्रकाश डालिए।

आवश्यक निर्देश :–

1. **सत्रीय लेखन कार्य को घर से लिखकर उत्तरपुस्तिका दिनांक 31 अगस्त 2024 तक संबंधित अध्ययन केन्द्र में जमा करें। सत्रीय कार्य स्व–हस्तलिखित होना चाहिए। दूसरे के द्वारा लिखा गया, फोटोकापी या पुस्तक का हिस्सा चिपकाना अनुचित साधन का प्रयोग माना जायेगा।**
2. **छात्र सत्रीय कार्य लेखन हेतु अन्य संदर्भित पुस्तकों का भी उपयोग कर सकते है।**
3. **सत्रांत परीक्षा सत्र जनवरी–दिसंबर 2024 का सैद्धांतिक प्रश्न पत्र का स्वरूप सत्रीय कार्य जनवरी–दिसंबर 2024 जैसा ही रहेगा।**
4. **सत्रीय कार्य के मूल्यांकन में छात्र द्वारा किए गए अध्ययन एवं लेखन, विषय की व्याख्या तथा लेखन में मौलिकता को आधार बनाया जायेगा। इसमें अध्ययन लेखन पर अधिकतम 60 प्रतिशत (18 अंक) दिया जावेगा, विषय–वस्तु की व्याख्या के लिए अधिकतम 20 प्रतिशम (6 अंक) तथा सृजनात्मक, मौलिक–सोच प्रदर्शित होने पर अधिकतम 20 प्रतिशत (6 अंक) प्राप्त हो सकते है। इस प्रकार मूल 100 प्रतिशत (30 अंक) का विभाजन रहेगा।**

J-442

पण्डित सुन्दरलाल शर्मा (मुक्त) विश्वविद्यालय छत्तीसगढ़, बिलासपुर

सत्रीय कार्य (Assignment Work) सत्र – जनवरी–दिसंबर 2024

P. G. Diploma in Chhattisgarhi Language and Literature

विषय – छत्तीसगढ़ी लोक साहित्य **प्रश्न–पत्रः द्वितीय**

पूर्णांक : 30 **न्यूनतम उत्तीर्णांकः 12**

नोटः– परीक्षार्थी प्रत्येक खण्ड के निर्देशों को ध्यान से पढ़कर प्रश्नों को हल करें।

परीक्षार्थी हेतु निर्देश :

सत्रीय कार्य–1

खण्ड अ – अति लघुउत्तरीय प्रश्न (1 से 8) कुल 08 प्रश्न है, सभी प्रश्न अनिवार्य। प्रति प्रश्न 0.5 अंक उत्तर शब्द सीमा 1–2 शब्द या एक वाक्य।

खण्ड ब – अति लघुउत्तरीय प्रश्न (9 से 14) कुल 06 प्रश्न है जिसमें से कोई 04 प्रश्न हल करें। प्रति प्रश्न 01 अंक का होगा। उत्तर शब्द सीमा 75 या आधा पेज।

सत्रीय कार्य–2

खण्ड स – लघुउत्तरीय प्रश्न (15 से 18) कुल 04 प्रश्न है जिसमें से कोई 03 प्रश्न हल करें। प्रति प्रश्न 02 अंक का होगा। उत्तर शब्द सीमा 150 या एक पेज।

सत्रीय कार्य–3

खण्ड द – अर्द्ध दीर्घ उत्तरीय प्रश्न (19 से 22) कुल 04 प्रश्न है जिसमें से कोई 02 प्रश्न हल करें। प्रति प्रश्न 04 अंक का होगा। शब्द सीमा 300 या दो पेज।

सत्रीय कार्य–4

खण्ड ई – दीर्घ उत्तरीय प्रश्न (23 से 24) कुल 02 प्रश्न है जिसमें से कोई 01 प्रश्न हल करें। प्रति प्रश्न 08 अंक का होगा। उत्तर की शब्द सीमा 600–750 या 4–5 पेज।

सत्रीय कार्य– 1

(Assignment—1)

खण्ड—अ

1. डण्डा गीत क्या है ?
2. फाग गीत कब गाए जाते हैं ?
3. स्वांग और संगीत का मनोरम संगम क्या है ?
4. लक्ष्मण जती&किस लोकगाथा का पात्र है ?
5. लोकनाट्य के दो भेद नाम सहित बताइए।
6. दाऊ मंदराजी का सम्बन्ध किस विधा से है ?
7. छत्तीसगढ़ी में कहावतों को क्या कहते हैं ?
8. भरथरी लोकगाथा की जन्मभूमि क्या है ?

खण्ड—ब

9. छत्तीसगढ़ी खेल गीत लिखिए।
10. मस्ती का गीत किस लोकगीत को कहा जाता है ?

11. लोकगाथा की परिभाषा लिखिए।
12. भीमादेव ने किस से क्षमा याचना की ?
13. रहस की कथावस्तु लिखिए।
14. गम्मत की प्रस्तुति किस प्रकार की जाती है ?

सत्रीय कार्य– 2

(Assignment—2)

खण्ड—स

15. पाँच छत्तीसगढ़ी हाना लिखकर उनका अर्थ स्पष्ट कीजिए।
16. छत्तीसगढ़ की घुमन्तु जाति और उनका कोई एक गीत लिखिए।
17. बाँस गीत का परिचय एवं विशेषताएँ लिखिए।
18. राजा वीरसिंह की गाथा लिखिए।

सत्रीय कार्य– 3

(Assignment—3)

खण्ड—द

19. छत्तीसगढ़ी लोकगाथाओं की विशेषताएँ लिखिए।
20. छत्तीसगढ़ी लोककथाओं में निहित शिक्षाप्रद बातों का उल्लेख कीजिए।
21. छत्तीसगढ़ी लोकनाट्य का महत्व लिखिए।
22. छत्तीसगढ़ी पहेलियों पर प्रकाश डालिए।

सत्रीय कार्य– 4

(Assignment—4)

खण्ड—इ

23. छत्तीसगढ़ी के प्रमुख नृत्य&गीत पर प्रकाश डालिए।
24. लोकगाथा के उद्‌भव एवं विकास पर प्रकाश डालते हुए छत्तीसगढ़ी लोकगाथाओं का वर्गीकरण कीजिए।

आवश्यक निर्देश :–

1. **सत्रीय लेखन कार्य को घर से लिखकर उत्तरपुस्तिका दिनांक 31 अगस्त 2024 तक संबंधित अध्ययन केन्द्र में जमा करें। सत्रीय कार्य स्व–हस्तलिखित होना चाहिए। दूसरे के द्वारा लिखा गया, फोटोकापी या पुस्तक का हिस्सा चिपकाना अनुचित साधन का प्रयोग माना जायेगा।**
2. **छात्र सत्रीय कार्य लेखन हेतु अन्य संदर्भित पुस्तकों का भी उपयोग कर सकते है।**
3. **सत्रांत परीक्षा सत्र जनवरी–दिसंबर 2024 का सैद्धांतिक प्रश्न पत्र का स्वरूप सत्रीय कार्य जनवरी–दिसंबर 2024 जैसा ही रहेगा।**
4. **सत्रीय कार्य के मूल्यांकन में छात्र द्वारा किए गए अध्ययन एवं लेखन, विषय की व्याख्या तथा लेखन में मौलिकता को आधार बनाया जायेगा। इसमें अध्ययन लेखन पर अधिकतम 60 प्रतिशत (18 अंक) दिया जावेगा, विषय–वस्तु की व्याख्या के लिए अधिकतम 20 प्रतिशम (6 अंक) तथा सृजनात्मक, मौलिक–सोच प्रदर्शित होने पर अधिकतम 20 प्रतिशत (6 अंक) प्राप्त हो सकते है। इस प्रकार मूल 100 प्रतिशत (30 अंक) का विभाजन रहेगा।**

पण्डित सुन्दरलाल शर्मा (मुक्त) विश्वविद्यालय छत्तीसगढ़, बिलासपुर

सत्रीय कार्य (Assignment Work) सत्र – जनवरी–दिसंबर 2024

P. G. Diploma in Chhattisgarhi Language and Literature

विषय – छत्तीसगढ़ी साहित्य **प्रश्न–पत्रः तृतीय**

पूर्णांक : 30 **न्यूनतम उत्तीर्णांकः 12**

नोटः– परीक्षार्थी प्रत्येक खण्ड के निर्देशों को ध्यान से पढ़कर प्रश्नों को हल करें।

परीक्षार्थी हेतु निर्देश :

सत्रीय कार्य–1

खण्ड अ – अति लघुउत्तरीय प्रश्न (1 से 8) कुल 08 प्रश्न है, सभी प्रश्न अनिवार्य। प्रति प्रश्न 0.5 अंक उत्तर शब्द सीमा 1–2 शब्द या एक वाक्य।

खण्ड ब – अति लघुउत्तरीय प्रश्न (9 से 14) कुल 06 प्रश्न है जिसमें से कोई 04 प्रश्न हल करें। प्रति प्रश्न 01 अंक का होगा। उत्तर शब्द सीमा 75 या आधा पेज।

सत्रीय कार्य–2

खण्ड स – लघुउत्तरीय प्रश्न (15 से 18) कुल 04 प्रश्न है जिसमें से कोई 03 प्रश्न हल करें। प्रति प्रश्न 02 अंक का होगा। उत्तर शब्द सीमा 150 या एक पेज।

सत्रीय कार्य–3

खण्ड द – अर्द्ध दीर्घ उत्तरीय प्रश्न (19 से 22) कुल 04 प्रश्न है जिसमें से कोई 02 प्रश्न हल करें। प्रति प्रश्न 04 अंक का होगा। शब्द सीमा 300 या दो पेज।

सत्रीय कार्य–4

खण्ड ई – दीर्घ उत्तरीय प्रश्न (23 से 24) कुल 02 प्रश्न है जिसमें से कोई 01 प्रश्न हल करें। प्रति प्रश्न 08 अंक का होगा। उत्तर की शब्द सीमा 600–750 या 4–5 पेज।

सत्रीय कार्य– 1

(Assignment—1)

खण्ड—अ

1. 'छत्तीसगढ़ी दानलीला' के रचनाकार का नाम लिखिए।
2. 'घन घन रे मोर किसान' के रचनाकार का नाम लिखिए।
3. कुंज बिहारी चौबे कहाँ के निवासी थे ?
4. 'नाचे सोन चिरैया घर घर नाचे सोन चिरैया' प्रस्तुत पंक्ति के रचनाकार का नाम लिखिए।
5. हरि ठाकुर की किसी एक काव्यकृति का नाम लिखिए।
6. सांस्कृतिक नाट्य मंच की सृष्टि किसके आधार पर हुई ?
7. 'अइसन दिया बार' के रचनाकार का नाम लिखिए।
8. डॉ. विनयकुमार पाठक ने किस गीत का संपादन किया ?

खण्ड—ब

9. 'कैसे अंढ़त गंढ़त गोठियाथे' का भावार्थ लिखिए।
10. पं. द्वारिका प्रसाद तिवारी 'विप्र' ने प्रचलित छन्दों के स्थान पर किन छंदों का प्रयोग किया ?
11. 'गोरस के मोल' में मुख्य रूप से किन बातों को चित्रित किया गया है ?

12. ये कोन गाँव है दादा ?
    तै कौन अस ? पटैल बाबा पूछिस
    किसने किससे किस गाँव का पता पूछा ?
13. सकीना किसके टाँगे से अस्पताल जाती है और उसके घोड़े का क्या नाम था ?
14. पं. सुन्दरलाल शर्मा द्वारा रचित छत्तीसगढ़ी महाकाव्य का नाम लिखते हुए बताइए इनका जन्म कब और कहाँ हुआ था ?

सत्रीय कार्य– 2

(Assignment—2)

खण्ड—स

15. संदर्भ सहित व्याख्या कीजिए :
    चना मुर्रा खातिर भटक के तंय आएगा।
    एक&टक निहारे भोला बही तंय बनाएगा।
16. संदर्भ सहित व्याख्या कीजिए :
    इतरावत है नदिया लागिस झड़ी गजब रे सावन के।
    बादर सेना घुमड़िन जइसे राम लखन अऊ रावन के।
17. लक्ष्मण मस्तुरिया के व्यक्तित्व एवं कृतित्व पर प्रकाश डालिए।
18. केयूर भूषण की कहानी 'हाय तोला नइ बचाय सकेव' का कथासार अपने शब्दों में लिखिए।

सत्रीय कार्य– 3

(Assignment—3)

खण्ड—द

19. बिहारी लाल साहू के छत्तीसगढ़ी भाषा एवं साहित्य विषयक अवदान पर एक सारगर्भित निबन्ध लिखिए।
20. मंगत रवीन्द्र की कहानी कला पर प्रकाश डालिए।
21. "डॉ. उर्मिला शुक्ल की कहानियों में उपेक्षित और प्रताड़ित महिलाओं के प्रति न केवल सहानुभूति का शीतल स्पर्श है बल्कि जागृति का संचार भी है।" स्पष्ट कीजिए।
22. "कुंजबिहारी चौबे विद्रोह और क्रान्ति के कवि थे।" इस कथन के आधार पर उनके काव्य पर प्रकाश डालिए।

सत्रीय कार्य– 4

(Assignment—4)

खण्ड—इ

23. शिवशंकर शुक्ल की कहानी 'भया के अंचरा' की समीक्षा अपने शब्दों में कीजिए।
24. प्रेम और ओज के छत्तीसगढ़ी कवि हरि ठाकुर के व्यक्तित्व एवं कृतित्व पर प्रकाश डालिए।

आवश्यक निर्देश :–

1. **सत्रीय लेखन कार्य को घर से लिखकर उत्तरपुस्तिका दिनांक 31 अगस्त 2024 तक संबंधित अध्ययन केन्द्र में जमा करें। सत्रीय कार्य स्व–हस्तलिखित होना चाहिए। दूसरे के द्वारा लिखा गया, फोटोकापी या पुस्तक का हिस्सा चिपकाना अनुचित साधन का प्रयोग माना जायेगा।**
2. **छात्र सत्रीय कार्य लेखन हेतु अन्य संदर्भित पुस्तकों का भी उपयोग कर सकते है।**
3. **सत्रांत परीक्षा सत्र जनवरी–दिसंबर 2024 का सैद्धांतिक प्रश्न पत्र का स्वरूप सत्रीय कार्य जनवरी–दिसंबर 2024 जैसा ही रहेगा।**
4. **सत्रीय कार्य के मूल्यांकन में छात्र द्वारा किए गए अध्ययन एवं लेखन, विषय की व्याख्या तथा लेखन में मौलिकता को आधार बनाया जायेगा। इसमें अध्ययन लेखन पर अधिकतम 60 प्रतिशत (18 अंक) दिया जावेगा, विषय–वस्तु की व्याख्या के लिए अधिकतम 20 प्रतिशम (6 अंक) तथा सृजनात्मक, मौलिक–सोच प्रदर्शित होने पर अधिकतम 20 प्रतिशत (6 अंक) प्राप्त हो सकते है। इस प्रकार मूल 100 प्रतिशत (30 अंक) का विभाजन रहेगा।**

J-444

पण्डित सुन्दरलाल शर्मा (मुक्त) विश्वविद्यालय छत्तीसगढ़, बिलासपुर

सत्रीय कार्य (Assignment Work) सत्र – जनवरी–दिसंबर 2024

P. G. Diploma in Chhattisgarhi Language and Literature

विषय – प्रयोजनमूलक छत्तीसगढ़ी (कामकाजी) **प्रश्न–पत्रः चतुर्थ**

पूर्णांक : 30 **न्यूनतम उत्तीर्णांकः 12**

नोटः– परीक्षार्थी प्रत्येक खण्ड के निर्देशों को ध्यान से पढ़कर प्रश्नों को हल करें।

परीक्षार्थी हेतु निर्देश :

सत्रीय कार्य–1

खण्ड अ – अति लघुउत्तरीय प्रश्न (1 से 8) कुल 08 प्रश्न है, सभी प्रश्न अनिवार्य। प्रति प्रश्न 0.5 अंक उत्तर शब्द सीमा 1–2 शब्द या एक वाक्य।

खण्ड ब – अति लघुउत्तरीय प्रश्न (9 से 14) कुल 06 प्रश्न है जिसमें से कोई 04 प्रश्न हल करें। प्रति प्रश्न 01 अंक का होगा। उत्तर शब्द सीमा 75 या आधा पेज।

सत्रीय कार्य–2

खण्ड स – लघुउत्तरीय प्रश्न (15 से 18) कुल 04 प्रश्न है जिसमें से कोई 03 प्रश्न हल करें। प्रति प्रश्न 02 अंक का होगा। उत्तर शब्द सीमा 150 या एक पेज।

सत्रीय कार्य–3

खण्ड द – अर्द्ध दीर्घ उत्तरीय प्रश्न (19 से 22) कुल 04 प्रश्न है जिसमें से कोई 02 प्रश्न हल करें। प्रति प्रश्न 04 अंक का होगा। शब्द सीमा 300 या दो पेज।

सत्रीय कार्य–4

खण्ड ई – दीर्घ उत्तरीय प्रश्न (23 से 24) कुल 02 प्रश्न है जिसमें से कोई 01 प्रश्न हल करें। प्रति प्रश्न 08 अंक का होगा। उत्तर की शब्द सीमा 600–750 या 4–5 पेज।

सत्रीय कार्य– 1

(Assignment—1)

खण्ड—अ

1. प्रयोजनमूलक भाषा का प्रयोग कितने क्षेत्र में होता है ?
2. प्रयोजनमूलक भाषा में मुहावरों का क्या स्थान है ?
3. राजभाषा आयोग का गठन कब हुआ ?
4. छत्तीसगढ़ी 'मित्र पत्रिका' का प्रकाश कब हुआ ?
5. छत्तीसगढ़ और मध्य प्रदेश की पत्रकारिता का जनक किसे कहा गया ?
6. प्रारूपण के कितने प्रकार हैं ?
7. छत्तीसगढ़ी राजभाषा आयोग के द्वितीय अध्यक्ष कौन थे ?
8. छत्तीसगढ़ी भाषा में पत्रकारिता का उन्मेष किस पत्रिका से माना जाता है ?

खण्ड—ब

9. छत्तीसगढ़ी के सन्दर्भ में IBC-24 की क्या सहभागिता है ?
10. एफ. एम. रेडियो में छत्तीसगढ़ी कार्यक्रम पर लिखिए।
11. छत्तीसगढ़ी में सफाई हेतु नगर&निगम को शिकायती पत्र लिखिए।
12. छत्तीसगढ़ी समाचार की कोई पाँच वेबसाइट लिखिए।
13. छत्तीसगढ़ी में विज्ञापन को उदाहरण सहित लिखिए।
14. निम्नलिखित हिन्दी शब्दों के छत्तीसगढ़ी रूप लिखिए :

    अन्तिम रूप देना नौकरी विद्या परिषद् शिशु और तर्क

सत्रीय कार्य– 2

(Assignment—2)

खण्ड—स

15. छत्तीसगढ़ी प्रयोजनमूलक शब्दों को लिखिए।
16. छत्तीसगढ़ी भाषा में विवाह का बधाई&पत्र लिखिए।
17. प्रारूपण से क्या तात्पर्य है ?
18. छत्तीसगढ़ी में जाति प्रमाण&पत्र का प्रारूप लिखिए।

सत्रीय कार्य– 3

(Assignment—3)

खण्ड—द

19. छत्तीसगढ़ी फिल्मों के वर्तमान परिदृश्य पर एक समीक्षा लिखिए।
20. छत्तीसगढ़ी राजभाषा आयोग के कार्यों को बताइए।
21. छत्तीसगढ़ी लेखन में स्वरों के मानकीकरण पर लिखिए।
22. छत्तीसगढ़ी में किस लिपि का प्रयोग किया जाता है ?

सत्रीय कार्य– 4

(Assignment—4)

खण्ड—इ

23. रेडियो एवं टी. वी. मीडिया की छत्तीसगढ़ी भाषा पर उदाहरण सहित लिखिए।
24. छत्तीसगढ़ी में नापतौल की क्या परम्परा है ? स्पष्ट कीजिए।

आवश्यक निर्देश :–

1. **सत्रीय लेखन कार्य को घर से लिखकर उत्तरपुस्तिका दिनांक 31 अगस्त 2024 तक संबंधित अध्ययन केन्द्र में जमा करें। सत्रीय कार्य स्व–हस्तलिखित होना चाहिए। दूसरे के द्वारा लिखा गया, फोटोकापी या पुस्तक का हिस्सा चिपकाना अनुचित साधन का प्रयोग माना जायेगा।**
2. **छात्र सत्रीय कार्य लेखन हेतु अन्य संदर्भित पुस्तकों का भी उपयोग कर सकते है।**
3. **सत्रांत परीक्षा सत्र जनवरी–दिसंबर 2024 का सैद्धांतिक प्रश्न पत्र का स्वरूप सत्रीय कार्य जनवरी–दिसंबर 2024 जैसा ही रहेगा।**
4. **सत्रीय कार्य के मूल्यांकन में छात्र द्वारा किए गए अध्ययन एवं लेखन, विषय की व्याख्या तथा लेखन में मौलिकता को आधार बनाया जायेगा। इसमें अध्ययन लेखन पर अधिकतम 60 प्रतिशत (18 अंक) दिया जावेगा, विषय–वस्तु की व्याख्या के लिए अधिकतम 20 प्रतिशम (6 अंक) तथा सृजनात्मक, मौलिक–सोच प्रदर्शित होने पर अधिकतम 20 प्रतिशत (6 अंक) प्राप्त हो सकते है। इस प्रकार मूल 100 प्रतिशत (30 अंक) का विभाजन रहेगा।**